काजरी में शुष्क क्षेत्रों हेतु समेकित जल ग्रहण विकास और मृदा संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक: 07.04.2026, जोधपुर

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में "शुष्क क्षेत्रों हेतु समेकित जल ग्रहण विकास और मृदा संरक्षण" विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में डॉ. सुरेश पाल सिंह तँवर, निदेशक, काजरी ने अपने संबोधन में बताया कि काजरी द्वारा एकीकृत जल संग्रहण विकास और मृदा संरक्षण पर अनेक शोध एवं प्रसार कार्य किये जा रहे हैं जिनका प्रभाव पश्चिमी राजस्थान में मरुस्थलीकरण को रोकने में प्रभावी रूप से दृष्टिगत होता है | डॉ. तँवर ने जल संग्रहण और मृदा संरक्षण विभाग के साथ समन्वय कर प्रभावी रूप से कार्य करने की अपील की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भागीरथ बिश्नोई, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जल संग्रहण विकास एवं मृदा संरक्षण विभाग, जोधपुर ने अपने संबोधन में बताया कि कार्यक्रम का उदेश्य जल संग्रहण प्रबंधन के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना, मृदा और जल संरक्षण तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, जल संग्रहण परियोजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी में क्षमता को मजबूत करना, सतत और जलवायु-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना है |

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. ओमप्रकाश मीणा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की रूपरेखा बतायी | जल ग्रहण विकास एवं भू -संरक्षण विभाग की तरफ से कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती अंजू मीणा, अधिशासी अभियंता भी उपस्थित रही | प्रशिक्षण कार्यक्रम में जोधपुर एवं बीकानेर संभाग से 30 कनिष्ठ अभियंता भाग ले रहे हैं | कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में काजरी के सभी विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहे | कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपिका हाजोग द्वारा किया गया एवं धन्यवाद प्रस्ताव डॉ प्रमिन्द्र चौधरी द्वरा दिया गया | यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशालय भू संरक्षण विभाग द्वारा प्रायोजित है |